ISSN: 2395-7852

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management

Volume 10, Issue 4, July 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 6.551

+91 9940572462 +91 9940572462 ijarasem@gmail.com www.ijarasem.com

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

DOI:10.15680/IJARASEM.2023.1004070

चूरु जिले में भूमि उपयोग प्रारूप का भौगोलिक अध्ययन

डॉ. हेमंत मंगल,[1] डॉ. इमरान खान,[2] पूनम हर्षवाल[3]

आचार्य, भूगोल विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरु (राजस्थान)[1]
सहायक आचार्य, भूगोल, (विद्या संबल), राजकीय महाविद्यालय, राजलदेसर (चूरु) (राजस्थान)[2]
शोधार्थी, भूगोल विभाग, जे. जे. टी. विश्वविद्यालय, चूड़ेला, झुंझुनू (राजस्थान)[3]

सारांश

भूमि एक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। भूमि का उपयोग विभिन्न कार्यों के लिए किया जाता है, जैसे कृषि, वानिकी, खनन, सड़क निर्माण, उद्योगों की स्थापना इत्यादि, इसे भूमि उपयोग कहा जाता है। भूमि का उपयोग भौतिक कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है, जैसे स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, खनिज, जल की उपलब्धता आदि। मानवीय कारक जैसे जनसंख्या और प्रौद्योगिकी भी भूमि उपयोग प्रतिरूप के महत्त्वपूर्ण निर्धारक हैं। किसी भी भौगोलिक क्षेत्र के पर्यावरण और पारितन्त्रीय संतुलन में भूमि उपयोग की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राकृतिक पर्यावरण के भूदृश्य वर्तमान समय के मानुष आक्रांत भूदृश्यों से बहुत अलग हुआ करते थे। मनुष्य ने प्राकृतिक पर्यावरण और पारितंत्रों को तकनीकी और वैज्ञानिक ज्ञान द्वारा बदल कर नव्य पारितंत्रों की स्थापना की है। इन परिवर्तनों में भूमि उपयोग में परिवर्तन सबसे व्यापक और प्रत्यक्ष रूप से परिलक्षित होने वाले हैं। भारत में भूमि उपयोग से संबन्धित बनाई गयी नीति के मुख्य लक्ष्य भूमि उपयोग का विस्तृत और वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराना, वन नीति के अनुरूप 33.3 प्रतिशत भूमि पर वनावरण स्थापित करना, गैर–कृषि योग्य भूमि के क्षेत्र में बढ़ोत्तरी को रोकना, बंजर भूमि का विकास कर इसे कृषि लायक बनाना, स्थायी चारागाहों का विकास करना और शस्य गहनता में वृद्धि करना आदि है। वर्ष 2013 में तैयार की गयी राष्ट्रीय वन नीति इन्हीं उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और भूमि संसाधनों के लिये अलग–अलग सेक्टर्स के बीच बढ़ती प्रतियोगिता को नियमित तथा नियंत्रित करने का प्रयास है। चूरु जिला भौगोलिक दृष्टि से विषमताएं लिए हुये है, तथा जिले में विभिन्न तहसीलों में भूमि उपयोग का प्रारूप भिन्न–भिन्न पाया जाता है। प्रस्तुत शोध पत्र में चूरु जिले के भूमि उपयोग प्रारूप का विस्तृत वर्णन करने का प्रयास किया गया है। जिसके अंतर्गत जिले में विभिन्न कार्यों के अंतर्गत उपयोग में लायी जा रही भूमि का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत किया गया है।

मूल बिन्दु : भूमि उपयोग, भू–स्वामित्व, शस्य गहनता, भूमि संसाधन

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

DOI:10.15680/IJARASEM.2023.1004070

परिचय :

भूमि उपयोग किसी भी क्षेत्र के विकास के स्तर एवं सूचकांक को दर्शाता है। भूमि उपयोग के आधार पर उस क्षेत्र में नगरीय एवं ग्रामीण विकास के पैमाने को सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। कृषि भूमि उपयोग की बात करें तो किसी क्षेत्र विशेष में कृषि के अंतर्गत विभिन्न प्रकार से काम में ली जाने वाली भूमि को इस वर्ग के अंतर्गत सम्मिलित किया जाता है। अतः देखा जाए तो किसी क्षेत्र विशेष में कृषि भूमि के अंतर्गत कृषि हेतु उपयोग में ली जा रही भूमि यथा कृषि योग्य भूमि, बंजर भूमि, जोतरहित भूमि तथा पड़त भूमि आदि को शामिल किया जाता है। परंतु यदि किसी क्षेत्र विशेष में भूमि उपयोग के समाकलित स्वरूप को देखें तो इसके अंतर्गत क्षेत्र के वन क्षेत्र, कृषि कार्यों हेतु उपयोग ली गयी भूमि, कृषि अयोग्य बंजर भूमि, अकृषि भूमि, जोत रहित भूमि, पड़त भूमि एवं एक वर्ष के दौरान बोयी भूमि के क्षेत्रफल आदि को सम्मिलित किया जाता है ।

चूरु जिले में भूमि उपयोग :

चूरु जिले के संदर्भ में भूमि उपयोग के वितरण प्रारूप को देखें तो स्पष्ट होता है की जिले में भूमि के समस्त प्रारूपों का सम्मिलित स्वरूप देखनें को मिलता है। जिले में भूमि उपयोग के वितरण प्रारूप को तालिका संख्या 01 में दर्शाया गया है। इस तालिका के अध्ययन द्वारा जिले में भूमि उपयोग के वितरण प्रारूप को भलीभाँति समझा जा सकता है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार इस जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्र 1385905 हैक्टेयर है और भूमि उपयोग की दृष्टि से रिपोर्टिंग क्षेत्र 2021–22 में 1385905 हैक्टेयर था। 2021–22 में इस जिले की भूमि उपयोग का वर्गीकरण निम्न प्रकार था–

तालिका संख्या 01 : जिले में भूमि उपयोग 2021–22

क्र.सं.	भूमि उपयोग का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	कुल क्षेत्र का प्रतिशत
1.	वन क्षेत्र	5820.80	0.42
2.	कृषि के अतिरिक्त उपयोग में लायी भूमि	65830.49	4.75
3.	कृषि अयोग्य बंजर भूमि	11918.78	0.86
4.	अन्य अकृषित भूमि (पड़त भूमि के अतिरिक्त)	38250.98	2.76
5.	जोत रहित भूमि	46012.05	3.32
6.	पड़त भूमि	43794.60	3.16
7.	बोया गया कुल क्षेत्र	1174277.30	84.73
योग		**1385905**	**100.00**

स्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, चूरु, 2022

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

DOI:10.15680/IJARASEM.2023.1004070

उपरोक्त तालिका में जिले में भूमि उपयोग के वितरण को दर्शाया गया है। जिले में वर्ष 2021–22 के आंकड़ो के अनुसार कृषि कार्यो के अतिरिक्त उपयोग में लायी गयी भूमि का कुल क्षेत्रफल 65830.80 हैक्टेयर पाया गया है जो कि जिले के कुल क्षेत्रफल का 4.75 प्रतिशत भाग है। इसी प्रकार जिले में कृषि अयोग्य भूमि का कुल क्षेत्रफल 11918.78 हैक्टेयर पाया गया है। यह जिले के कुल क्षेत्रफल का 0.86 प्रतिशत है। जिले में जोत रहित भूमि का कुल क्षेत्रफल 46012.05 हैक्टेयर है। तालिका के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि जिले में वन क्षेत्र के अन्तर्गत केवल 0.42 प्रतिशत क्षेत्र ही आता है। राजस्थान में चूरू जिले में वन क्षेत्र के अन्तर्गत सबसे कम क्षेत्र है। तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की जिले में वन क्षेत्र काफी कम पाया गया है। इसके अलावा यदि जिले में कृषि भूमि के अंतर्गत भूमि वितरण को देखें तो तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है की चूरु जिले में सबसे ज्यादा भूमि का प्रतिशत बुवाई के अंतर्गत पाया गया है।

आरेख संख्या 01 : चूरु जिले में भूमि उपयोग (प्रतिशत में)

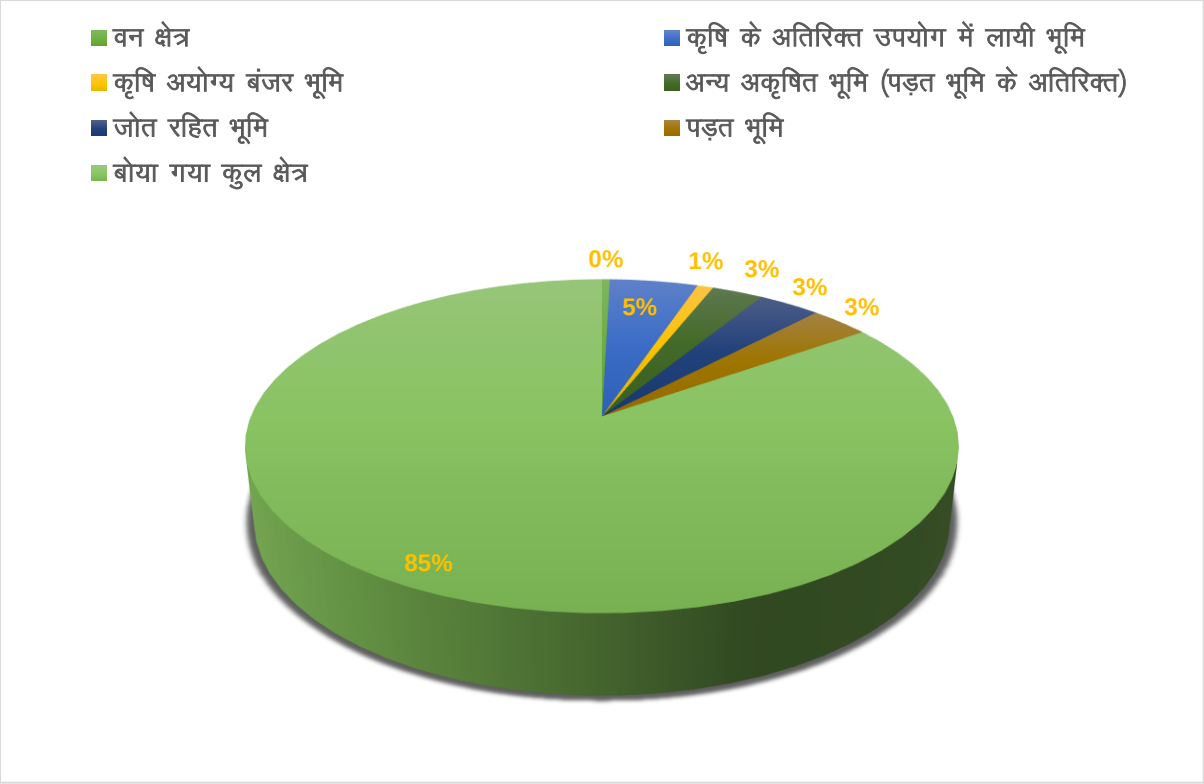

आंकड़े बताते है की जिले में वर्ष 2020–21 में जिले में 1174277.30 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर बुवाई कर फसलोत्पादन किया गया था। इसी प्रकार जिले में कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों के अंतर्गत उपयोग ली गयी भूमि का प्रतिशत भी इस वर्ष में 4.75 पाया गया है जो की अन्य भूमि प्रकारों में बोयी गयी भूमि के पश्चात सर्वाधिक है। इस वर्ष जिले में कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों में ली गयी भूमि का कुल क्षेत्रफल 65830.49 हेक्टेयर

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

DOI:10.15680/IJARASEM.2023.1004070

था। इसके साथ ही तालिका के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है की चूरु जिले में वर्ष 2021–22 में पड़त भूमि का क्षेत्रफल 43794.60 हेक्टेयर पाया गया है जबकि जोत रहित भूमि के अंतर्गत भूमि का क्षेत्रफल इस वर्ष में पड़त भूमि के क्षेत्रफल से अधिक पाया गया है जो की 46012.5 हेक्टेयर है।

तालिका संख्या 02 : जिले में तहसीलवार भूमि का वितरण, 2021–22

विवरण	चूरू	सरदारशहर	रतनगढ़	सुजानगढ़	राजगढ़	तारानगर	बीदासर	योग
भूमिहीनों की संख्या	561	544	561	3180	1825	566	1654	8891
गैर खातेदारों की संख्या	11	0	11	3	71	28	27	151
खातेदारों की संख्या	73409	76000	73409	81583	71600	45965	56282	478248
एक एकड़ से कम वाले खातेदार	9084	22101	9084	12718	8260	3649	7965	72861
1 से 3 एकड़ वाले खातेदार	14081	10160	14081	15821	18050	9023	11869	93085
3 से 7 एकड़ वाले खातेदार	19086	12573	19086	20612	23168	13385	18183	126093
7 से 11 एकड़ वाले खातेदार	16123	10995	16123	16527	11486	8705	8139	88098
11 से 15 एकड़ वाले खातेदार	9124	14001	9124	10519	5400	4232	5075	57475
15 एकड़ से ऊपर वाले खातेदार	5531	6170	5531	5386	5326	6971	5051	39966

स्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, चूरु, 2022

इसी प्रकार जिले में तहसीलवार भू–स्वामित्व के आंकड़ो को देखें तो ज्ञात होता है की जिले में विभिन्न तहसीलों में इसमे विषमता देखने को मिलती है। जिले की विभिन्न तहसीलों में स्वामित्व के अनुसार खातेदारों की संख्या के विवरण को तालिका संख्या 3.4 में दर्शाया गया है। तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है की चूरु जिले में वर्ष 2021–22 में भूमिहीनों की कुल संख्या 8891 पायी गयी है। जिले में भूमिहीनों की सर्वाधिक संख्या सुजानगढ़ तहसील में पायी गयी है जो की 3180 है, इस प्रकार जिले में भूमिहीनों की सबसे कम संख्या जिले की चूरु एवं रतनगढ़ तहसील में पायी गयी है। दोनों ही तहसीलों में इस वार्स भूमिहीनों की कुल संख्या 561 पायी गयी है। इसी प्रकार जिले में गैर खातेदारों की कुल संख्या 151 पायी गयी है तथा जिले की सरदारशहर तहसील में गैर खातेदारों की संख्या शून्य पायी गयी है।

जिले में एक एकड़ से कम भू–स्वामित्व वाले लोगों की कुल संख्या वर्ष 2021–22 में 72861 पायी गयी है जबकि 1 से 3 एकड़ भू स्वामित्व वाले लोगों की कुल संख्या इस वर्ष 93085 थी। इसी प्रकार तालिका के आंकड़ो को देखें तो ज्ञात होता है की जिले में 3 से 7 एकड़ वाले लोगों की संख्या वर्ष 2021–22

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

DOI:10.15680/IJARASEM.2023.1004070

में 126093 पायी गयी है जो की सभी वर्गों की तुलना में सर्वाधिक है।इस आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है की चूरु जिले में स्वामित्व के आधार पर खातेदारों के पास औसत भूमि 3 से 7 एकड़ के मध्य पायी गयी है। जिले में 7 से 11 एकड़ भूमि पर स्वामित्व रखने वाले लोगो की संख्या 88098 एवं 11 से 15 एकड़ भू स्वामित्व रखने वाले लोगों की संख्या 57475 पायी गयी है। जिले में 15 एकड़ से अधिक भूमि का स्वामित्व रखने वाले लोगों की संख्या 39966 पायी गयी है।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है की चूरु जिले में भूमि उपयोग के प्रारूप में पर्याप्त भिन्नता पायी गयी है। आंकड़ों के अनुसार जिले में वर्ष 2021–22 में भूमि का सर्वाधिक क्षेत्रफल बोयी गयी अथवा कृषि योग्य भूमि के अंतर्गत उपयोग में लाया गया था जबकि इस वर्ष जिले में वन क्षेत्र का प्रतिशत काफी कम पाया गया है। इसी प्रकार आंकड़ों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि जिले में भू–स्वामित्व एवं जोतो का आकार निरंतर घट रहा है। जिले में ऐसे लोग जिनके पास 15 एकड़ से अधिक भूमि है इनका सर्वाधिक प्रतिशत जिले की तारानगर तहसील में पाया गया है। इस तहसील में वर्ष 2021–22 के अनुसार 15 एकड़ से अधिक भू–स्वामित्व रखने वाले लोगो की संख्या 6971 थी जो की जिले की बाकी तहसीलों की तुलना में सर्वाधिक थी। इसी प्रकार इस 15 एकड़ से अधिक भू–स्वामित्व वाले लोगों की सबसे कम संख्या जिले की बिदासर तहसील में पायी गयी है जोकि 5051 है। इसी क्रम में चुरू, सरदारशहर, रतनगढ़, सुजानगढ़ एवं राजगढ़ तहसीलों में यह संख्या क्रमशः 5531, 6170, 5531, 5388 एवं 5326 है। जबकि इसी वर्ष में इन तहसीलों में 11 से 15 एकड़ भू–स्वामित्व रखने वाले व्यक्तियों की संख्या इसकी तुलना में काफी अधिक पायी गयी है। जिले में वर्ष 2021–22 के आंकड़ो के अनुसार 11 से 15 एकड़ भू–स्वामित्व रखने वाले व्यक्तियों की संख्या चूरु में 9124, सरदारशहर में 14001, रतनगढ़ में 9124, सुजानगढ़ में 10519, राजगढ़ में 5400, तारानगर में 4232 एवं बीदासर में 5075 पायी गयी है।

References:

1. Chauhan, D.S. (1966), “Studies in the Utilization of Agricultural Land”, Shivala & Co. Agra.
2. Kothari, S., (1999), “Agricultural land Use and Population: A Geographical Analysis”, Shiva Publishers Distributors Udaipur.
3. Mitra, M., (1980), “Agricultural Geography of Chhattisgarh Basin”, Sahitya Bhawan Kanpur.
4. District Statistical Abstract, Churu, 2022

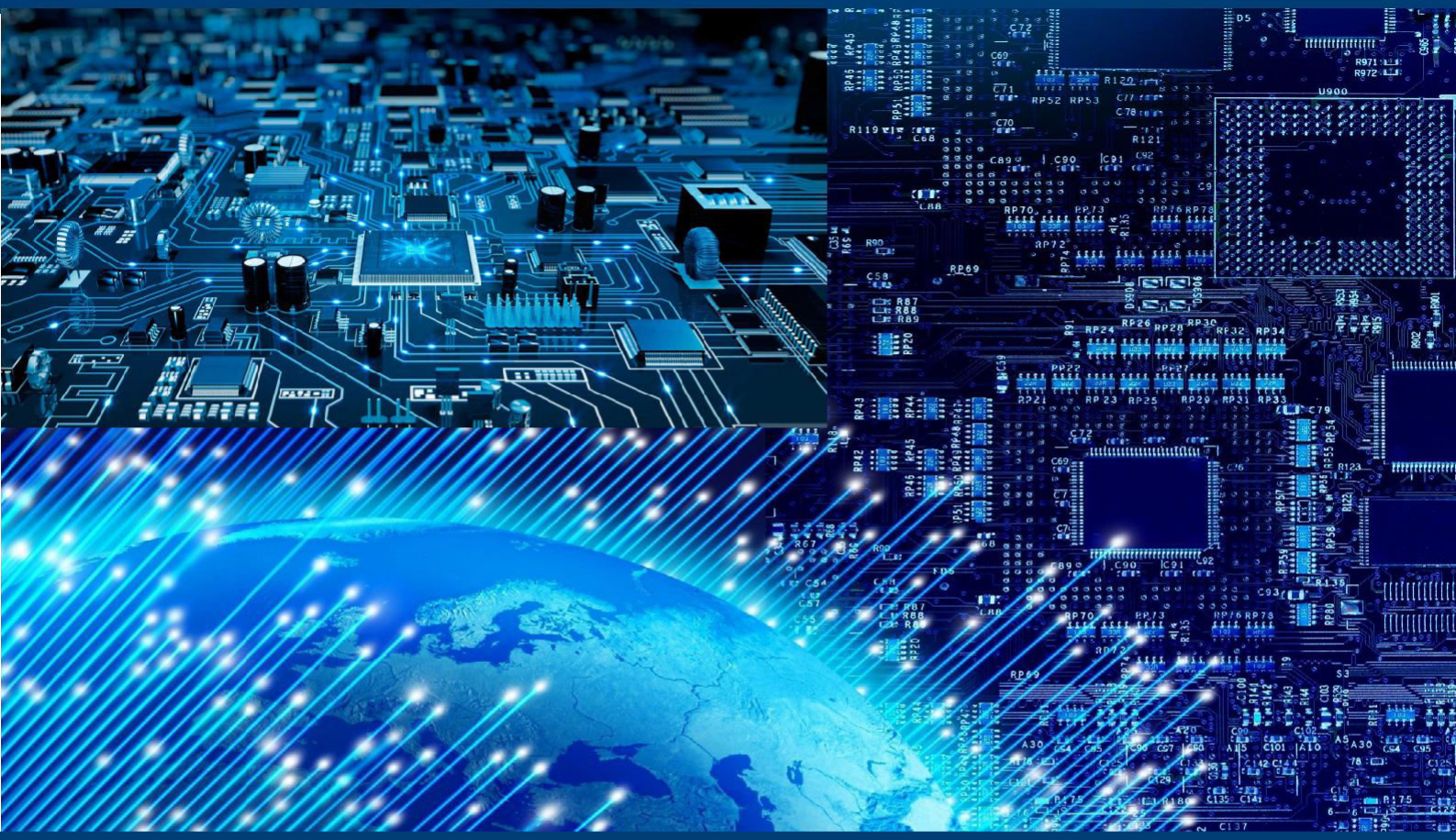

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| Mobile No: +91-9940572462 | Whatsapp: +91-9940572462 | ijarasem@gmail.com |